# दैनिक भारतीय बस्ती




भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 71 गुरूवार 3 अक्टूबर 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com




## शैलपुत्री - मां दुर्गा की पहली शक्ति

वन्दे वांछितलाभाय चंद्रार्धकृतशेखराम ।
वृषारूढ़ां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम् ।।

नवरात्रि में दुर्गा पूजा के अवसर पर दुर्गा देवी के नौ रूपों की पूजा–उपासना बहुत ही विधि विधान से की जाती है। इन रूपों के पीछे तात्विक अवधारणाओं का परिज्ञान धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विकास के लिए आवश्यक है। आइए जानते हैं मां शैलपुत्री के बारे में...

मां दुर्गा को सर्वप्रथम शैलपुत्री के रूप में पूजा जाता है। हिमालय के वहां पुत्री के रूप में जन्म लेने के कारण उनका नामकरण हुआ शैलपुत्री। इनका वाहन वृषभ है, इसलिए यह देवी वृषारूढ़ा के नाम से भी जानी जाती हैं। इस देवी ने दाएं हाथ में त्रिशूल धारण कर रखा है और बाएं हाथ में कमल सुशोभित है। यही देवी प्रथम दुर्गा हैं।

## एक नजर

## गांधी जयंती पर सम्मानित किए गए उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारी



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कुदरहा, (बस्ती) । ब्लाक मुख्यालय पर महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री की जयंती धूम–धाम से मनायी गयी। ब्लाक परिसर में बने शहीद स्थली व ब्लाक परिसर का ब्लाक प्रमुख अनिल दुबे व खण्ड विकास अधिकारी आलोक कुमार पंकज ने सफाई कर धवजा रोहण किए और कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाएं । इसके पश्चात शहीद स्थली पर माल्यार्पण कर शहीदों को नमन किए। सभागार में स्वच्छता उत्सव के कार्यक्रम के तहत सफाई कर्मी, कायाकल्प में कार्यकरने वाले 20 ग्राम प्रधान व सचिव को प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित कर उत्साह बर्धन किए। बानपुर व छरदही गांव में बने आरसीसी सेंटर का भी शुभारम्भ किया। प्राथमिक स्वास्थ्य कैंद पर डा शशि, ब्लाक संसाधन केंद्र पर खंड शिक्षा अधिकारी सीपी गौड़, पूर्व माध्यमिक विद्यालय कुदरहा पर डा शुनील यादव, राजकीय पशु चिकित्सालय पर डा० फजील खान, पुलिस चौकी कुदरहा पर चौकी इंचार्ज राम अशोक कुमार यादव, बाल विकास पुष्टाहार कार्यालय पर सीडीपीओ देवेंद्र मिश्र प्राथामिक विद्यालय रसूलपुर पर प्रधान अजय पाल ने ध्वजा रोहण किया गया।

## बापू– शास्त्री को किया नमन



–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। स्थानीय मिश्रौलिया स्टेट स्थित ग्रीन वैली एकेडमी और काशी प्रसाद सिंह मेमोरियल चौरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्र पिता महात्मा गॉधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत ग्रीन वैली एकेडमी की प्रधानाचार्य संध्या सिंह ने दोनों महापुरुषों की प्रतिमा पर माल्यार्पण व पुष्पार्चन के साथ किया। जयंती के अवसर पर प्रधानाचार्य संध्या सिंह ने कहा कि गांधीजी और शास्त्री जी का जीवन एक दर्शन है । जहाँ एक तरफ गाधीं जी ने दुनिया के सामने अहिंसा को एक शस्त्र के रूप में प्रस्तुत किया वही शास्त्री जी ने जय जवान जय किसान का नारा देकर स्वावलम्बी बनने का माध्यम बताया। शशि श्रीवास्तव, रुचि श्रीवास्तव, जया पाण्डेय, पूजा भट्ट,शिव कुमार चौधरी, राजेश विश्वकर्मा, काजल, महिमा, खुशबू मौर्या, प्रीति विश्वकर्मा, ममता उपाध्याय, अवनीश त्रिपाठी ने अपने विचार रखे।

# अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट से तीन की मौत

**बरेली (आभा)।** यूपी के बरेली में संचालित हो रही अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट हो गया। धमाके से आसपास के पांच मकान गिरकर धराशायी हो गए। एक बच्चा समेत तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि पांच लोग घायल हो गए। मलबे में अभी कई लोगों के दबे होने की आशंका जताई जा रही है। हादसे की खबर पाकर पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत बचाव कार्य शुरू कराया।

घटना सिरौली थाना क्षेत्र के गांव कल्याणपुर की है। पिछले कई दिनों से रहमान शाह नामक व्यक्ति के घर में अवैध रूप से पटाखे और बम बनाने का काम चल रहा था। पटाखा और बम बनाने के लिए घरों से लोग आकर यहां काम करते थे। बुधवार की शाम करीब तीन बजे के आसपास अचानक से एक जोरदार धमाका हुआ। जिस मकान में धमाका हुआ उसके



चीथड़े उड़ गए। धमाके की आवाज से पूरे गांव दहल गया। धमाका इतनी तेज था कि आसपास रहने वाले रहमान शाह, रुखसार, इसरार खां, बाबू शाह और पीर शाह के घर पूरी तरह से धराशायी हो गए। सभी के मकान मलबे में तब्दील हो गए। देखते ही देखते चीख–पुकार मचने लगी।

अवैध पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट की खबर मिलते ही पुलिस–प्रशासन में हड़कंप मच गया। आनन–फानन में एसडीएम, सीओ आंवला पुलिस और दमकल टीम के साथ मौके पर पहुंची। दमकल ने तुरंत राहत बचाव कार्य शुरू किया। मलबे से एक बच्चे समेत तीन लोगों के शवों को बरामद किया। जबकि पांच घायलों को भी मलबे से निकाला गया।`

## नगर पालिका अध्यक्ष ने किया श्रमदान

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। गांधी जयंती पर नगर पालिका परिषद बस्ती ने सफाई अभियान चलाया। चेयरमैन नेहा वर्मा और ईओध्एसडीएम सुनिष्ठा सिंह ने महिला अस्पताल परिसर में श्रमदान किया। पूरे परिसर में झाडू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। ईओ सुनिष्ठा सिंह ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन का उद्देश्य तभी पूरा होगा, जब हर व्यक्ति सफाई के प्रति सजग रहे। ईओ के नेतृत्व में शहर के मलिन बस्ती पुराना डाकखाना, नगर पालिका परिषद बस्ती परिसर में भी सफाई अभियान चलाया गया। ईओ और



चेयरमैन ने उसके बाद सभी सफाई कर्मियों और कार्यालय कर्मियों को स्वच्छता अपनाने और एक–दूसरे को भी स्वच्छता के प्रति सजग रहने के लिए सीख देने के लिए शपथ दिलाई। इस दौरान प्रतिनिधि अंकुर वर्मा, केएनए उदयभान, गिरीश सिंह, अमित शुक्ल, अजय तिवारी, अश्वनी श्रीवास्तव, रवि पासवान, सुभाष श्रीवास्तव, दिनेश गुप्ता आदि मौजूद रहे।

## मदरसा शिक्षक पर भू माफिया, कई संस्था चलाने का आरोपः मुख्यमंत्री से किया जांच, कार्रवाई की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रूधौली थाना क्षेत्र के वजहा निवासी इफ्तेखार अहमद ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर हटवा बाजार स्थित मदरसा अरविया अशरफुल उलूम में तैनात कयामुद्दीन पुत्र हबीबुल्लाह के गतिविधियों की उच्च स्तरीय जांच कराकर प्रभावी कार्यवाही की मांग किया है।

भेजे पत्र में इफ्तेखार अहमद ने कहा है कि कयामुद्दीन पूरी तरह से शिक्षा माफिया बन चुका है और उसके द्वारा अनेक ऐसे मदरसे संचालित कराये जा रहे हैं जो सिर्फ कागजों में चल रहे हैं। यही नहीं उसने रूधौली कस्बे में हबीब मंजिल के नाम से एक दारूल उलूम हबीब के नाम से कायम करके अनेक लोगों से धन उगाही कर रहा है।

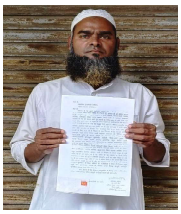

मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में इफ्तेखार अहमद ने कहा है कि कयामुद्दीन ने मदरसा अरविया अशरफुल उलूम हटवा बाजार, जामयेत उलमा यूनिट के जनरल सेक्रेटरी, फाउन्डर व मैनेजर बानी



व नाजिमे मजलिसे इसलाहुल मुसलमनि, रूधौली, सेक्रेटी मौलाना अबुल कलाम आजाद इस्लामिक स्कूल रूधौली के साथ ही अनेक संस्थाओं को कथित रूप से संचालित कर रहा है। एक शिक्षक आखिर इतनी संस्थाओं को किस तरह से संचालित कर रहा है। इफ्तेखार अहमद ने मांग किया है कि भू–माफिया, शिक्षा माफिया कयामुद्दीन के गतिविधियों की उच्च स्तरीय जांच कराकर विधिक कठोर कार्रवाई की जाय जिससे शिक्षा के नाम से खिलवाड़ बंद हो।

## बापू– शास्त्री जयन्ती पर ध्वजारोहण के साथ रोपे पौध, दिया संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। इंदिरा चैरिटेबल सोसायटी के कप्तानगंज स्थित केन्द्रीय कार्यालय पर गांधी जयन्ती का पर्व संस्थापक सदस्य चम्पा पाण्डेय द्वारा ध्वजारोहण के साथ मनाया गया। प्रबंधक ज्योति पाण्डेय ने कहा कि बापू– शास्त्री द्वारा दिखाये गये मार्ग पर चलकर ही देश सबल होगा। स्वच्छ भारत मिशन के 10 वर्ष पूरा होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुये ज्योति पाण्डेय ने कहा कि देश में स्वच्छता एक संस्कार के रूप में विकसित हुआ है।

बापू– शास्त्री जयन्ती पर आयोजित कार्यक्रम में हाइवे देव दूत

प्रमोद ओझा, डॉ. डी.के. विश्वकर्मा, गौरव त्रिपाठी, आलोक पाण्डेय आदि ने बापू– शास्त्री के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने पर्यावरण रक्षा के लिये पौधरोपण किया।

## बापू– शास्त्री जयन्ती पर वृद्धा आश्रम में भण्डारे का आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के अवसर पर समाजसेवी गोटवा निवासी राजेश सोनकर द्वारा बनकटा स्थित वृद्धा आश्रम में भण्डारे का आयोजन किया गया। इस मौके पर वृद्ध जनों को भोजन कराने के साथ ही आश्वासन दिया गया कि समय– समय पर उनका सहयोग किया जायेगा।

भण्डारे को सम्पन्न कराने में रामफेर सोनकर, दुर्गावती सोनकर, ऊषा सोनकर, शिवा सोनकर, देवी प्रसाद मिश्र, शिवशंकर सोनकर, भोला सोनकर आदि ने योगदान दिया।

# अधिकारियों ने किया गोविन्दा से पूंछताछ

**मुंबई (आभा)** । मुंबई अपराध शाखा के अधिकारियों ने अपनी रिवॉल्वर से दुर्घटनावश गोली चलने के कारण घायल हुए अभिनेता गोविंदा से मुलाकात की और उनसे घटना के बारे में पूछताछ की। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। स्थानीय पुलिस मामले की जांच कर रही है और मुंबई अपराध शाखा ने भी घटना की जांच शुरू कर दी है।

गोविंदा की लाइसेंसी रिवॉल्वर से दुर्घटनावश चली गोली उनके पैर में लगी थी जिसे चिकित्सकों ने निकाल दिया है। पुलिस ने बताया कि किसी ने इस मामले में अभी तक कोई शिकायत दर्ज नहीं करायी है। यह



हादसा गोविंदा (60) के मुंबई स्थित आवास पर मंगलवार को हुआ और उनका यहां एक निजी अस्पताल में उपचार किया गया।

एक अधिकारी ने बताया कि वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक दया नायक की अगुवाई में अपराध शाखा के एक दल ने मंगलवार को अस्पताल का दौरा किया और अभिनेता से घटना के बारे में बातचीत की। उन्होंने बताया कि गोविंदा घटना के वक्त मंगलवार तड़के अपने आवास पर अकेले थे। उन्होंने बताया कि अभिनेता के पास वेबले कंपनी की लाइसेंसी रिवॉल्वर है और गोली उन्हें बाएं घुटने के समीप लगी।

अधिकारी ने बताया कि रिवॉल्वर पुरानी थी, लॉक नहीं थी और उससे दुर्घटनावश गोली चल गयी। एक अधिकारी ने पहले बताया था कि पुलिस अधिकारियों ने जांच के लिए अभिनेता की रिवॉल्वर को कब्जे में ले लिया है। गोविन्दा ने प्रशंसकों को सूचित किया कि अब वह बेहतर महसूस कर रहे हैं।

## शिव सेना ने किया अमहट घाट पर सामूहिक श्राद्ध, तर्पणः पितरों को दिया विदाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । शिव सेना जिला इकाई द्वारा बुधवार को सिद्धेश्वर शिव मंदिर अमहट घाट पर सामूहिक श्राद्ध, तर्पण का आयोजन कर पितरों को विदाई दी गई। जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय ने बताया कि वैदिक परम्परा के अनुसार देश के महान अमर शहीदों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, राम जन्म भूमि आन्दोलन में प्राणोत्सर्ग करने वाले शहीद कारसेवकों और कोख में मार देने वाली बेटियों को विधि विधान से श्राद्ध, तर्पण किया गया। कार्यक्रम में शिवसैनिकों के साथ ही अनेक सामाजिक संगठनों के कार्यकर्ताओं ने योगदान दिया।

बुधवार को ब्राम्हणों ने कुंआनों के पवित्र तट पर श्राद्ध तर्पण के साथ ही पितरों से सुख समृद्धि का आर्शीवाद मांगा। ब्राम्हणों को भोजन के साथ ही दान दक्षिणा दिया गया। प्रमोद पाण्डेय ने कहा कि पूरा प्रयास



होगा कि आगामी वर्षो में इसे और विस्तार दिया जाय।

अमहट घाट पर आयोजित श्राद्ध, तर्पण में शिवसेना प्रदेश सचिव संजय प्रधान, सूरज यादव, अभय सिंह, नागेन्द्र मिश्र, राधेश्याम शुक्ल, बद्री प्रसाद, आजाद कुमार, इन्द्रपाल प्रजापति, अनिल कुमार, अभिषेक कुमार, राम निवास प्रजापति, सुनील मिश्र, रंजीत द्विवेदी, राम हरीश, अजय कुमार चौधरी, अजय गौतम, अवधेश पाण्डेय, राम सजीवन, बद्री प्रसाद प्रजापति, सूली यादव, भवानी सेना की जिला प्रमुख चन्द्रावती गौतम, प्रभावती, फूलमती, मालती देवी, मंजू देवी, लक्ष्मी, गीता देवी, प्रभावती देवी, मंजू देवी, प्रभावती गौतम, ऊषा किरन, मुराती देवी, इशराजी के साथ ही अनेक शिव सैनिकों ने योगदान दिया।

## जयन्ती पर याद किये गये बापू– शास्त्री सेन्ट्रल एकेडमी में हुये विविध आयोजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सेन्ट्रल एकेडमी में बुधवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को जयन्ती पर याद किया गया। निदेशक जे.पी तिवारी ने ध्वजारोहण के बाद छात्रों को सम्बोधित करते हुये कहा कि देश को आजाद कराने में महात्मा गांधी का सर्वाधिक योगदान रहा। उनके सत्याग्रह आन्दोलनों से अंग्रेजी हुकूमत हिल गई। कहा कि लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान, जय किसान का नारा देकर देश को उत्साह से भर दिया। हमें बापू– शास्त्री के जीवन से प्रेरणा लेकर आगे बढना होगा।

निदेशिका सीमा तिवारी, सहायक निदेशक अनुज तिवारी ने छात्रों को बापू– शास्त्री के जीवन से जुड़े अनेक प्रसंगों की जानकारी दिया। कहा कि बापू अब विश्व व्यापी विचार हो चुके हैं, उन्हें पूरी दुनियां में आदर मिलता है। बापू– शास्त्री युगों तक प्रासंगिक बने रहेंगे।



प्रधानाचार्य दीपिका तिवारी ने छात्रों को बताया कि बापू– शास्त्री ने देश को आजादी दिलाने में जो योगदान दिया वह अनुकरणीय है। अनेक बलिदानों के बाद देश को जो आजादी मिली उसकी रक्षा करना हम सबका दायित्व है। यही बापू– शास्त्री के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर छात्र–छात्राओं मानसी, रौनक, शिवाकान्त, सृष्टि, आदिश्री, खुशी, सचिन, हर्षित दूबे, फरहान, सर्वेश, शाश्वत, शिवांश राय, अभिज्ञान बाल्मीकि, हर्षित दूबे, अलका, आराध्या, कार्तिक दूबे आदि ने देश भक्ति पर केन्द्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर मन मोह लिया। निबन्ध और भाषण प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले छात्रों को पुरस्कृत किया गया। मुख्य रूप से आबिद अरशद, द्विजेन्द्र, निखिल गुप्ता, अम्बुज तिवारी, हिमांशु मिश्र, साक्षी, उन्नति, दया, गीताजंलि, रिचा, सुनीता, सुधा गौड़ आदि ने छात्रों को गांधी जयन्ती के महत्व से परिचित कराया।

# बापू–शास्त्री को किया नमन्ः योगदान पर चर्चा





–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । राष्ट्रपिता महॅात्मा गॉधी तथा पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पूरे जिले में समारोहपूर्वक मनाई गई। सरकारी तथा गैर सरकारी कार्यालयों में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया, राष्ट्रगान गाया गया तथा राष्ट्रीय एकता और अखण्डता की शपथ दिलायी गयी। दोनों महापुरुषों के चित्र का अनावरण करके फूल माला चढ़ाई गई।

मंडलायुक्त कार्यालय पर मंडलायुक्त अखिलेश सिंह ने गोष्ठी में कहा कि दोनों महापुरूषो में आत्मिक बल था। दोनो महापुरूषों की भॉति सादा जीवन एवं उच्च विचार सभी को रखना चाहिए। हम कभी भी अपने अन्दर हीनभावना ना लायें। कर्म क्षेत्र में दृढनिश्चयी हो और दोनों महापुरूषों के जीवन चरित्र से प्रेरणा लें। आज बच्चों के लिए अनन्त सम्भावनाए है। उन्होने कहा कि वास्तव में धीर व सत्याग्रही वह है, जो विकारयुक्त वातावरण में उत्पन्न हो, परन्तु विकारों से बिना प्रभावित हुए ही अपने लक्ष्य पर अडिग रहें और राष्ट्रहित में कार्य करें।

गोष्ठी में अपर आयुक्त प्रशासन राजीव पाण्डेय ने कहा कि गॉधी जी के आदर्श को आत्मसात करते हुए आत्मचिन्तन करे तभी उत्कर्ष के शिखर को प्राप्त किया जा सकता है। संयुक्त विकास आयुक्त संत कुमार ने कहा कि हम सभी को महापुरूष द्वय से प्रेरणा लेते हुए देशकाल परिस्थित के अनुसार राष्ट्र की सेवा का ब्रत लेना चाहिए। अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन आत्म प्रकाश बाजपेयी ने कहा कि गॉधी जी के आदर्श मात्र सत्य पर आधारित आग्रह को ही हम जीवन में उतारें, तो यही सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस अवसर पर गोष्ठी को सहायक आयुक्त खाद्य वी.के. पाण्डेय व उप निदेशक पंचायतीराज समरजीत यादव ने भी संबोधित किया। गोष्ठी का संचालन जीतेन्द्र श्रीवास्तव ने किया। राजकीय बालिका इण्टर कालेज की छात्राओं ने शिक्षिका इन्दिरा श्रीवास्तव के नेतृत्व में गॉधी का प्रियभजन रधुपति राघव राजाराम, वैष्णवजन तेने कहिए तथा राष्ट्रभक्ति गीत प्रस्तुत किया। सुन्दर एवं आकर्षक प्रस्तुति के लिए मण्डलायुक्त ने छात्राओं एवं शिक्षिका को पुरस्कृत किया। इस अवसर पर बजरंग बली पाण्डेय, शैलेष श्रीवास्तव, सुहेल अहमद, अनुपम चौधरी, रमेश चन्द्र, संदीप यादव, सौरभ कुमार, अमन उपाध्याय तथा आयुक्त कार्यालय के कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

कलेक्ट्रेट में महात्मा गॉधी के 155वॉ जन्म दिवस के अवसर पर जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। सामूहिक राष्ट्रगान के बाद एकता और अखण्डता की शपथ दिलायी गयी। उन्होने गॉधी जी व लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण किया। सभाकक्ष में आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित करते हुए उन्होने कहा कि शान्ति, अहिंसा के पथ पर आगे बढते हुए गॉधी जी ने देश को आजादी दिलायी। आज विविधता में एकता स्थापित करना हमारा उद्देश्य होना चाहिए तथा उनके संदेश को हम सभी को आत्मसात करना चाहिए, जिससे की गॉधी जी का सपना साकार हो सके।

उन्होने कहा कि सत्य, अहिंसा की शिक्षा हमें अपने बच्चों को भी देनी चाहिए, जिससे वह सत्य के मार्ग पर चलें। उन्होने अधिकारियो–कर्मचारियों से कहा कि हमें अपने कर्तव्यों के प्रति सत्यनिष्ठा से कार्य करना चाहिए। उन्होने ग्राम स्वराज, स्वच्छ भारत के विषय पर प्रकाश डालते हुए जानकारी को साझा किया। इसके साथ ही लाल बहादुर शास्त्री के जीवन के विषय पर प्रकाश डाला। इसके उपरान्त जिलाधिकारी ने गॉधी कला भवन में पहॅुचकर महात्मा गॉधी के प्रतिमा पर माल्यापर्ण किया।

इस अवसर पर जीजीआईसी की छात्राओं ने शिक्षिका मानवी सिंह के नेतृत्व में देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। आपदा विशेषज्ञ रंजीत रंजन की पुत्री रेचल द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। मनमोहक प्रस्तुति पर जिलाधिकारी ने छात्राओं को पुरस्कृत किया। अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल चौहान ने कहा कि यह त्यौहार हर वर्ष मनाया जाता है। उन्होने कहा कि हमें गॉधी जी के सिद्धांतो पर चलना चाहिए और हमें जिस पद की जिम्मेदारी मिली है, उसे पूरी सत्य निष्ठा व ईमानदारी से निर्वहन करना चाहिए। उप जिलाधिकारी न्यायिक मनोज प्रकाश ने कहा कि महात्मा गॉधी व लाल बहादुर शास्त्री के विचारों का अनुश्रवण करें और अपने आने वाली पीढी को अनुश्रवण करने की सीख दें।

गोष्ठी का संचालन वरिष्ठ सहायक अशोक मिश्र ने किया। इस अवसर पर अतिरिक्त उप जिलाधिकारी रश्मि यादव, ए.ओ. गिरिजेश पाल, जितेन्द्र श्रीवास्तव, राजेश रंजन, श्रवण कुमार, बृजेश श्रीवास्तव, रेनू बाला, पिंकी श्रीवास्तव, अभिनव ओझा, देवब्रत श्रीवास्तव, अजय कुमार चौधरी, धनन्जय सिंह, अशोक कन्नौजिया, रंगीलाल, हरिशंकर, पत्रकार जगवीर सिंह सहित गणमान्य नागरिक उपस्थित रहें।

विकास भवन में सीडीओ जयदेव सी.एस. ने राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद गांधी जी एवं शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण किया। सामूहिक राष्ट्रगान के बाद एकता और अखण्डता की शपथ दिलायी गयी। इस अवसर पर विकास भवन सभागार में गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पीडी राजेश कुमार, जिला विकास अधिकारी अजय कुमार एवं संबंधित विभागीय अधिकारी तथा कर्मचारी गण उपस्थित रहें।

## समाजवादियों ने किया बापू– शास्त्री को नमन्, संगठन की मजबूती पर जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । समाजवादी पार्टी कार्यालय पर बुधवार को आयोजित मासिक बैठक से पूर्व राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को उनकी जयन्ती पर याद किया गया। सपा जिलाध्यक्ष एवं सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने कहा कि बापू– शास्त्री अब विचार के रूप में दुनियां में प्रतिष्ठित है। दोनों महापुरूष युगों तक याद किया जायेगा। उन्होने सपा नेताओं, पदाधिकारियों का आवाहन किया कि वे जनता के बीच बने रहे, उन तक समाजवादी विचार धारा और पार्टी के नीति, कार्यक्रम लेकर जाय और यथा संभव जरूरतमंदों की मदद के साथही उन्हें केन्द्र और राज्य सरकार के योजनाओं से लाभान्वित कराने की दिशा में सहयोग करें।

बैठक में विधायक राजेन्द्र चौधरी, कविन्द्र चौधरी अतुल, पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, पूर्व राज्यमंत्री श्रीपति सिंह, वरिष्ठ नेता दयाशंकर मिश्र, जावेद पिण्डारी, मो. स्वालेह, राहुल सिंह, जर्सी यादव,



हरेश्याम विश्वकर्मा, विपिन त्रिपाठी, अखिलेश यादव, हरीश गौतम, पंकज मिश्र, आर.डी. निषाद, संजय गौतम, मो. उमर, जमील अहमद, राजेश यादव, मो. सलीम आदि ने बापू– शास्त्री को नमन् करते हुये कहा कि समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से पार्टी के नीति, कार्यक्रमों से लोगों को जोड़े।

बापू– शास्त्री जयन्ती और मासिक बैठक में मुख्य रूप से भोला पाण्डेय, राजदेव, फूलचन्द तिवारी, तूफानी यादव, श्याम सुन्दर यादव, अजय यादव, बैतुल्लाह, जयराज यादव, जुवेदा खातून, विवेक यादव डिम्पल, रहमान सिद्दीकी, कैश मोहम्मद, रिन्टू यादव, मो. युनूस, गौरीशंकर, अनवर जमाल के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

*"मुझे अखबार निकालने दो तो मैं इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स*

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 अक्टूबर 2024 गुरूवार

## सम्पादकीय

# आस्था के नाम पर ...!

सही मायनों में बालाजी तिरुपति लड्डू विवाद प्रसंग में शीर्ष अदालत की वह टिप्पणी देश के सभी राजनेताओं के लिये एक नजीर बननी चाहिए, जिसमें कोर्ट ने कहा कि आस्था को राजनीति से मुक्त रखना चाहिए। हाल के वर्षों में विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा आस्था को वोट जुटाने के सरल रास्ते के रूप में इस्तेमाल करने से तमाम तरह की विसंगतियां पैदा हुई हैं। दरअसल, जनाधार बढ़ाने की क्षमताओं से चूकते राजनेता अपनी राजनीतिक जमीन तैयार करने के लिये धार्मिक विश्वासों के दोहन को सफलता का शार्टकट मानकर चल रहे हैं। पिछले दिनों में बालाजी तिरुपति से जुड़े लड्डू विवाद मामले में बिना जांच–पड़ताल के आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने जिस तरह पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी को लपेटने का प्रयास किया, उसे कोर्ट ने एक अनुचित परंपरा के रूप में देखा है। कहा जा रहा है कि नायडू ने अपना जनाधार बढ़ाने हेतु विपक्षी राजनेता की छवि धूमिल करने का प्रयास इस विवाद के जरिये किया है। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा कि नेतागण कम से कम भगवान को राजनीति से दूर रखें। खासकर संवैधानिक पदों पर विराजमान नेताओं को राजनीतिक लाभ के लिये अनर्गल बयानबाजी से बचना चाहिए। कोर्ट ने इस बात पर भी सख्त नाराजगी जाहिर की कि बिना अंतिम जांच व निष्कर्ष के सार्वजनिक रूप से लड्डू विवाद पर टिप्पणी करना न केवल गैर–जिम्मेदार रवैया था बल्कि लोगों की आस्था से खिलवाड़ भी है। वह भी तब जब इस मामले में जांच चल रही थी। वहीं दूसरी ओर अभी स्पष्ट नहीं है कि राजनीतिक लाभ के लिये जिस चर्बी वाले घी की कथित जांच–परिणामों का दावा किया जा रहा है, उसके बारे में ठीक–ठीक कहना मुश्किल है कि वास्तव में इस घी का ही प्रयोग लड्डू बनाने में किया गया था। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने एक सार्वजनिक सभा में आरोप लगाया था कि पिछली सरकार के दौरान तिरुपति बालाजी के प्रसाद में पशु चर्बी का इस्तेमाल किया गया। जिसके बाद इस पर राजनीतिक क्षेत्रों व सार्वजनिक जीवन में खासा विवाद पैदा हो गया।

बताया जाता है कि इस विवाद के जरिये घी आपूर्ति करने वाली कंपनी तथा ठेकेदार व मंदिर प्रबंधन में पूर्व मुख्यमंत्री के परिजनों की भागीदारी को विवाद में लाने की कोशिश की गई। जिसके जरिये आंध्रप्रदेश की राजनीति में पूर्व मुख्यमंत्री जगनमोहन रेड्डी का कद छोटा करने की भी कोशिश हुई। रेड्डी ने खुलेआम नायडू पर राजनीतिक लाभ के लिये इस विवाद को तूल देने का आरोप लगाया। यहां तक कि मंदिर में प्रवेश में व्यवधान पैदा करने के मकसद से रेड्डी की धार्मिक आस्था पर भी सवाल खड़े किए गए। उनसे कहा गया कि वे निर्धारित फॉर्म में अपने धर्म का खुलासा करें। कहने को तो यह विवाद दो राजनीतिक दलों की लड़ाई का है मगर इस विवाद ने देश–विदेश में करोड़ों भक्तों की आस्था पर गहरी चोट पहुंचायी है। निस्संदेह, बालाजी तिरुपति मंदिर पर करोड़ों लोगों की गहरी आस्था है, इस विवाद को राजनीतिक लाभ का माध्यम बनाने से श्रद्धालुओं को खासा कष्ट हुआ। यह विडंबना ही है कि दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में लोगों की धार्मिक आस्थाओं को राजनीतिक लाभ के लिये इस्तेमाल करने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। जिसमें कमोबेश सभी राजनीतिक दलों की भूमिका रही है। राजनेता अकसर विभिन्न धार्मिक स्थलों में उपस्थिति का खासा प्रचार राजनीतिक लाभ के लिये करते नजर आते हैं। वे लोगों की आस्था का लाभ अपने निहित स्वार्थों के लिये करते हैं। उन्हें लगता है कि जनाधार बढ़ाने का यह एक छोटा रास्ता है। विडंबना यह भी है कि आस्थावान लोग भी राजनेताओं की अनर्गल बयानबाजी को तर्क की कसौटी पर कस कर देखने से गुरेज करते हैं। यदि लोगों की दृष्टि तार्किक हो तो राजनेता उनकी भावनाओं से खिलवाड़ नहीं कर पाएंगे। सही मायनों में राजनेताओं की धार्मिक मामलों में इस तरह की दखलंदाजी हमारे धर्मनिरपेक्ष मूल्यों के भी खिलाफ है। जिस ओर देश की शीर्ष अदालत ने भी ध्यान खींचने का प्रयास किया है। जनता की सजगता व तर्कशीलता को बढ़ावा देकर ही ऐसी चुनौतियों का मुकाबला किया जा सकता है।

# हरियाणा चुनाव में बदलाव की आहट

—योगेन्द्र यादव—

हरियाणा विधानसभा चुनाव के तीन संभावित परिणाम हो सकते हैं। पहला– सत्तारुढ़ भाजपा के खिलाफ हवा चलेगी और कांग्रेस स्पष्ट बहुमत से सरकार बनाएगी। दूसरा– यह हवा चुनावी आंधी की शक्ल लेगी और कांग्रेस को भारी बहुमत मिलेगा। तीसरा– कांग्रेस के पक्ष में सुनामी आ जाए और भाजपा सहित बाकी दल इनी–गिनी सीटों पर ही सिमट जाएं। यह कोई चुनावी भविष्यवाणी नहीं है। इन तीनों संभावनाओं में से कौन सी सच होगी और किस पार्टी को कितनी सीटें आएंगी, इसका आकलन करने की यहां कोई कोशिश नहीं की गई है। यह तो मात्र राजनीति का सामान्य ज्ञान है, जो प्रदेश में हर व्यक्ति जानता है। इसमें कोई संदेह नहीं कि यह चुनाव भाजपा और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला है। पिछले विधानसभा चुनावों की तरह इस बार अभय चौटाला की इनैलो, दुष्यंत चौटाला की जजपा, बसपा या आम आदमी पार्टी और आजाद उम्मीदवारों की बड़ी भूमिका नहीं रहेगी, यह भी हर कोई जानता है कि इस सीधे मुकाबले में कांग्रेस को स्पष्ट बढ़त है।

उपरोक्त तीनों संभावनाओं में जो भी सच हो, यह स्पष्ट है कि तीनों स्थिति में सरकार कांग्रेस की ही बनती दिखाई देती है। हरियाणा का वर्तमान विधानसभा चुनाव उन चुनावों की श्रेणी में आता है, जिनका फैसला चुनाव की घोषणा होने से पहले ही हो चुका होता है। किस पार्टी ने कौन सा उम्मीदवार खड़ा किया, किस पार्टी ने अपने मैनिफैस्टो में क्या कहा और चुनाव प्रचार में क्या रणनीति अपनाई, इससे सीटों की संख्या कुछ ऊपर–नीचे हो सकती है, लेकिन इनसे चुनाव का बुनियादी परिणाम पलटने की संभावना बहुत कम दिखती है। दरअसल इस चुनाव का बुनियादी रुझान कोई एक साल या उससे भी पहले ही तय हो चुका था, जब सत्ता और समाज के बीच खाई बन चुकी थी। सच कहें तो जनता के मोहभंग की शुरुआत भाजपा द्वारा दूसरी सरकार बनाने के साथ ही हो गई थी। भाजपा विरोधी वोट को गोलबंद करने वाली दुष्यंत चौटाला की जननायक जनता पार्टी ने जिस तरह पासा पलट कर भाजपा की सरकार बनवाई, उसी से ही जनता के मन में खटास पैदा हो गई थी।

सत्ता और समाज को जोडने वाला धागा किसान आंदोलन के दौरान टूट गया। हरियाणा की भाजपा सरकार ने किसान आन्दोलन को रोकने, उसका दमन करने और फिर उसके खिलाफ दुष्प्रचार करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उधर खेतीहर समाज पूरी तरह से किसान आंदोलन के साथ खड़ा हो गया। अखिर में जब केंद्र सरकार को किसानों के सामने झुकना पड़ा, तो हरियाणा सरकार की इज्जत भी गई और इकबाल भी जाता रहा। यौन शोषण के विरुद्ध महिला पहलवानों के संघर्ष ने सरकार की बची–खुची वैधता भी खत्म कर दी थी। प्रदेश में व्यापक बेरोजगारी तो थी ही, ऊपर से अग्निवीर योजना ने ग्रामीण युवाओं के सपनों पर पानी फेर दिया। यानी किसान, जवान और पहलवान ने मिलकर चुनाव शुरू होने से पहले ही भाजपा को पछाड़ दिया था। इस वर्ष हुए लोकसभा चुनाव में ही प्रदेश के बदले हुई राजनीतिक समीकरण की झलक मिल गई थी। पांच साल पहले हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा की कांग्रेस पर 30 प्रतिशत की बढ़त थी, जो इस चुनाव में साफ हो गई। दोनों पाष्टयों को 5–5 सीटें मिलीं और कांग्रेस–'आप' गठजोड़ को भाजपा से अधिक वोट आया। फिर भी लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय एजैंडा और प्रधानमंत्री की लोकप्रियता के सहारे भाजपा बुरी हार से बच गई। लेकिन विधानसभा चुनाव में राज्य सरकार की कारगुजारी से बचने का कोई उपाय नहीं है।

मनोहर लाल खट्टर के नेतृत्व में भाजपा की पहली सरकार ने फिर भी भ्रष्टाचार कम करने और नौकरियों को योग्यता के अनुसार देने के मामले में कुछ साख कमाई थी, लेकिन दुष्यंत चौटाला के सहयोग से बनी दूसरी सरकार ने भ्रष्टाचार, अहंकार और असंवेदनशीलता की छवि हासिल की। अंततरू भाजपा को मनोहर लाल खट्टर को पदमुक्त करना पड़ा। नए मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जरूर फुर्ती दिखाई और कई लोकप्रिय घोषणाएं भी कीं, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। जनता अपना मन बना चुकी थी इस पृष्ठभूमि में अपनी कमजोरी को समझते हुए भाजपा नेतृत्व ने टिकट बंटवारे में सख्ती और रणनीति से काम लिया, लेकिन उससे पार्टी में बिखराव बढ़ा है। कांग्रेस के टिकट बंटवारे में भी खूब खींचतान हुई और पार्टी की अंदरूनी गुटबाजी सामने आई। लेकिन इस बार जमीन पर इससे कोई बड़ा फर्क हुआ हो, ऐसा नहीं दिखता।

दोनों बड़ी पार्टियों ने अपने मैनिफैस्टो जारी कर दिए हैं। भाजपा को भी बेरोजगारी, अग्निवीर और किसानों को एम.एस.पी. जैसे मुद्दों को स्वीकार करना पड़ा है। लेकिन जमीन पर किसी भी मैनिफैस्टो की ज्यादा चर्चा सुनाई नहीं देती। अंत में भाजपा के पास हिंदू–मुसलमान या फिर पैंतीस–एक (यानी जाट और गैर जाट का जातीय ध्रुवीकरण) की चाल बची है। इसका कुछ असर चुड़क्षेनदा सीटों पर पड़ सकता है। लेकिन इस बार यह छवीकरण पूरे प्रदेश के फैसले को प्रभावित करता दिखाई नहीं पड़ रहा। चुनाव प्रचार के आखिरी दौर में सबका ध्यान उम्मीदवारों की व्यक्तिगत लोकप्रियता, स्थानीय जाति समीकरणों और चुनाव प्रचार के दाव–पेंच पर है। इससे कुल परिणाम चाहे न बदले, इसका सीटों के आंकड़े पर असर पड़ेगा। आखिरी दौर में जो पार्टी आगे दिखाई देती है, उसे भेड़चाल के वोटों का भी फायदा हो जाता है। अगर भाजपा जाट और गैर जाट ध्रुवीकरण में आंशिक रूप से सफल होती है, तो वह कांग्रेस को सामान्य बहुमत पर रोक सकती है। लेकिन अगर यह रणनीति कामयाब न हो पाए और आखिरी दिनों में कांग्रेस ढील न दिखाए तो वह इस हवा को आंधी या सुनामी में बदल भारी बहुमत भी प्राप्त कर सकती है।

# अपराधियों को राजनीतिक संरक्षण

—विश्वनाथ सचदेव—

**सवाल यह उठता है कि चुनावी मौके पर बाबा जैसे अपराधियों को जेल से बाहर निकलने का मौका क्यों मिलता या दिया जाता है? क्या यह मात्र संयोग है कि अक्सर ऐसी छूट चुनाव के आसपास मिलती है? पैरोल पर जेल से बाहर आना किसी भी कैदी का अधिकार है और यह छूट देने का अधिकार जेल–प्रशासन को होता है, पर इस बात को नजरअंदाज क्यों किया जाता है कि बाबा जैसे कैदी मतदान को प्रभावित कर सकते हैं और इसका लाभ उस वक्त की सरकार को मिल सकता है? अक्सर मिलता भी है।**

गुरमीत राम रहीम कल तक बाबा राम रहीम के नाम से जाने जाते थे। आज बहुत से लोग उसे सजायाफ्ता अपराधी के रूप में ही पहचानना ज्यादा पसंद करते हैं। पर पंजाब और हरियाणा में आज भी बाबा राम रहीम को दैवीय शक्तियों वाले व्यक्तित्व के रूप में मानने वालों की संख्या कम नहीं है। और यही बात अपने कृत्यों के लिए आजीवन सजा भुगत रहे राम–रहीम को इन दोनों राज्यों की चुनावी राजनीति का ताकतवर मोहरा बनाये हुए है। जब तक बाबा को सजा नहीं मिली थी, चुनावी राजनीति के नफे–नुकसान के लिए राजनीतिक दलों के नेता खुलेआम उससे 'आशीर्वाद' प्राप्त किया करते थे। अब खुलेआम ऐसा करने से भले ही राजनेता बच रहे हों, पर बाबा के अनुयायियों की लाखों की संख्या देखते हुए वह इस 'प्रभाव' का लाभ उठाने से नहीं चूकते। शायद इसीलिए जब भी चुनाव आते हैं बीस साल की सजा भुगतने वाला यह बाबा राजनेताओं के लिए महत्वपूर्ण बन जाता है। हर ऐसे मौके पर बाबा किसी न किसी तरह जेल से बाहर आ जाता है। 'पैरोल' और 'फरलो' पर बाबा के छूटने की कहानी अपने आप में हैरान करने वाली है।

लोकसभा के चुनाव से ठीक पहले राम रहीम को पचास दिन के पैरोल पर जेल से छोड़ा गया था। फरवरी, 2022 में बाबा को 21 दिन के पैरोल पर छोड़ा गयाद्द पंजाब में चुनाव 14 फरवरी को होने थे। बाबा को 7 फरवरी को जेल से बाहर पहुंचा दिया गया। फिर जून, 2022 में हरियाणा के स्थानीय निकायों के चुनाव थे। इससे ठीक पहले, बाबा को 30 दिन के पैरोल पर रिहाई मिल गयी। फिर 15 अक्तूबर, 2022 को आदमपुर में उपचुनाव से पहले बाबा को चालीस दिन का पैरोल मिला था। इस तरह साल 2022 में राम रहीम 91 दिन जेल से बाहर रहा।

साल 2023 में हरियाणा के पंचायत चुनाव से पहले बाबा को 21 जून को चालीस दिन के पैरोल पर छोड़ा गया। नवंबर 2023 में राजस्थान में चुनाव थे। तब भी बाबा 21 दिन जेल से बाहर था। अखबारों में छपे आंकड़ों के अनुसार, 2023 में राम रहीम कुल 91 दिन तक जेल से बाहर था। अब, जबकि हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं, बाबा ने फिर पैरोल पर छूटने के लिए अर्जी दे दी, और वह मंजूर भी हो गयी है!

ज्ञातव्य है कि बाबा अपनी दो शिष्याओं से दुराचर और एक पत्रकार रामचंद्र छत्रपति की हत्या के अपराध की सजा भुगत रहा है। हैरानी की बात यह है कि हर चुनाव के मौके पर यह दागी जेल से बाहर होता है! यह सही है कि अब ऐसे मौकों पर राम रहीम चुनावी सभाएं नहीं करता, पर सब जानते हैं कि हरियाणा और आसपास के राज्यों में बाबा का प्रभाव रंग दिखाने वाला है। यही रंग राजनेताओं को ऐसे अपराधियों की मदद लेने के लिए ललचाता है।

सही यह भी है कि पैरोल या फरलो पर छूटना किसी भी कैदी का अधिकार है और घोषित रूप से यह अधिकार कोई सरकार नहीं, जेल प्रशासन प्रदान करता है। लेकिन सब जानते हैं कि संबंधित राज्य सरकारों की मर्जी पर ही यह छूट मिलती हैद्द और सब यह भी जानते हैं कि जिस पार्टी की सरकार होती है वह अपने राजनीतिक लाभ –हानि के अनुसार ऐसे मामलों का उपयोग करती है। पैरोल के इस ताजा मामले में, जबकि हरियाणा में चुनाव हो रहे हैं, राज्य सरकार ने संबंधित अपराधी की पैरोल पर रिहाई के लिए राज्य के चुनावी अधिकारी से आग्रह किया है कि बाबा को यह छूट दी जाये।

सवाल यह उठता है कि चुनावी मौके पर बाबा जैसे अपराधियों को जेल से बाहर निकलने का मौका क्यों मिलता या दिया जाता है? क्या यह मात्र संयोग है कि अक्सर ऐसी छूट चुनाव के आसपास मिलती है? पैरोल पर जेल से बाहर आना किसी भी कैदी का अधिकार है और यह छूट देने का अधिकार जेल–प्रशासन को होता है, पर इस बात को नजरअंदाज क्यों किया जाता है कि बाबा जैसे कैदी मतदान को प्रभावित कर सकते हैं और इसका लाभ उस वक्त की सरकार को मिल सकता है? अक्सर मिलता भी है।

नियम यह कहते हैं कि 'अत्यंत आवश्यक' हो तभी कोई राज्य सरकार किसी कैदी को पैरोल पर रिहाई की सिफारिश कर सकती है। अंतिम निर्णय जेल प्रशासन के हाथ में होता है। संबंधित सरकारें यही तर्क देकर अपना बचाव करती हैं, पर कौन नहीं जानता कि इस नियम और परंपरा का अक्सर उल्लंघन होता है। यह समझना जरूरी है कि अक्सर यह उल्लंघन वक्त की सरकारें अपने राजनीतिक स्वार्थ को देखकर करती हैं।

हमारे यहां अपराध जगत से राजनीति के रिश्ते किसी से छिपे नहीं हैं। किसी अपराधी का पैरोल पर छूटना ऐसे ही रिश्तों का एक उदाहरण है। राम रहीम बीस साल की सजा भुगत रहा है और इस दौरान दस बार पैरोल पर बाहर आ चुका है। अब फिर हरियाणा के मतदान से ठीक पहले उसे पैरोल पर छूटने का मौका दे दिया गया है! क्षेत्र की जनता पर बाबा राम रहीम के 'डेरा सच्चा सौदा' का प्रभाव सब देखते रहे हैं। अपने अनुयायियों पर बाबा के प्रभाव का लाभ राजनेता अक्सर उठाते रहे हैं। ज्ञातव्य है कि शुरुआत में राम रहीम ने कांग्रेस पार्टी का साथ दिया था। फिर बाबा भारतीय जनता पार्टी के साथ हो गया। इसी साथ को रेखांकित करने के लिए हरियाणा के पिछले मुख्यमंत्री मनोहरलाल खट्टर अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ बाबा का आशीर्वाद लेने उसके आश्रम में पहुंचे थे। तब राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे खट्टर का आभार प्रदर्शन कहा था!

सवाल यह है कि हमारे राजनेताओं को आपराधिक तत्वों के साथ जुड़ने, उनका आभार मानने में संकोच क्यों नहीं होता? बात सिर्फ एक अपराधी धार्मिक गुरु तक ही सीमित नहीं है। बात किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ उठाने की है। बिलकिस बानो के मामले में हम देख चुके हैं कि कैसे बलात्कार और हत्या के दोषियों को जेल से रिहा किया गया था और कैसे मालाएं पहना कर उन्हें महिमा–मंडित किया गया था। देश की विभिन्न जेलों में कई अपराधी राजनीतिक संरक्षण का लाभ उठा रहे हैं। सरकारें, चाहे वे किसी भी दल की क्यों न हों, अक्सर अपने राजनीतिक लाभ के लिए आपराधिक तत्वों की 'शरण' में पहुंच जाती हैं, निस्संकोच! और सजा भुगत रहे अपराधी भी शर्म से सर झुका कर चलने की आवश्यकता महसूस नहीं करते। अपराधियों को तो शर्म आनी ही चाहिए, उन्हें भी शर्म आनी चाहिए जो इन अपराधियों के अपराध की अनदेखी कर रहे हैं। इस संदर्भ में, कहीं न कहीं, देश का वह नागरिक जो आपराधिक तत्वों का समर्थन करता है, भी दोषी है। बात ऐसे तत्वों का समर्थन करने की ही नहीं है, विरोध न करने की भी है। अपराध करना तो पाप है ही, अपराधी को सहना भी किसी पाप से कम नहीं। यह सवाल तो हमें अपने आप से पूछना ही होगा कि न्यायालय द्वारा घोषित अपराधी को भी हम अपराधी क्यों नहीं मानते?

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

# भ्रष्टाचारियों को संरक्षण

— योगेन्द्र योगी—

वादे हैं वादों क्या, भ्रष्टाचार को लेकर कुछ ऐसी ही हालत भारत की है। भ्रष्टाचार को लेकर राजनीतिक दल बड़े–बड़े दावे करते हैं। भाजपा गठबंधन ने लोकसभा चुनाव के दौरान विपक्षी दलों के भ्रष्टाचार को प्रमुख मुद्दा बनाया था। इसी तरह विपक्षी दलों ने भी केंद्र की भाजपा सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार को निशाने पर रखा था। सत्ता पक्ष और विपक्ष के भ्रष्टाचार पर एक–दूसरे पर जबरदस्त प्रहार के बावजूद यह मुद्दा सुरसा के मुंह की तरह लगातार फैलता ही जा रहा है। भ्रष्टाचार की इस गंगोत्री से कोई अछूता नहीं है। भ्रष्टाचार का जड़ से खात्मा करना तो दूर बल्कि सत्तातंत्र भ्रष्टाचारियों की ढाल बन कर खड़ा है। इसमें कोई भी राजनीतिक दल पीछे नहीं है। देश को खोखला करने वाले इस धीमे जहर को संरक्षण देने में केंद्र और राज्यों की सरकारों पीछे नहीं हैं। केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों और राज्य सरकारों ने 212 मामलों में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को भ्रष्टाचार के दोषी पाए गए 543 अफसरों व कार्मिकों पर अभियोजन स्वीकृति लंबित है। सीबीआई के कामकाज पर निगरानी रखने वाले केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक इनमें राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) की सरकारों में अभियोजन स्वीकृति के 41 मामले शामिल हैं जिनमें 149 अधिकारी भ्रष्टाचार के दोषी पाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल भ्रष्टाचार की सबसे अधिक शिकायतें रेलवे कर्मचारियों के खिलाफ की गईं।

इसके बाद दिल्ली के स्थानीय निकायों और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के खिलाफ शिकायतें मिलीं। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 में सभी श्रेणी के अधिकारियों/कर्मचारियों के खिलाफ भ्रष्टाचार की कुल 74,203 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 66,373 का निपटारा कर दिया गया और 7,830 शिकायतें लंबित हैं। सीवीसी की रिपोर्ट के अनुसार केंद्र सरकार में वित्त मंत्रालय के विभिन्न विभागों में अभियोजन स्वीकृति के सबसे ज्यादा 75 मामले लंबित हैं जिनमें 197 भ्रष्ट अफसर–कार्मिक फंसे हैं। इनमें वित्तीय सेवा विभाग के 53 मामलों में मुकदमा चलाने की अनुमति लंबित है। वित्त मंत्रालय के बाद रक्षा, रेल, शिक्षा तथा कार्मिक मंत्रालयों में लंबित मामलों की संख्या अपेक्षाकृत ज्यादा है। राज्य सरकारों केंद्रशासित प्रदेशों में भ्रष्टाचार के मामलों में सैकड़ों अफसरों के खिलाफ अभियोजन की स्वीकृति नहीं दी जा रही है। राज्योंध्केंद्रशासित राज्यों में कुल 41 भ्रष्टाचार के मामलों 149 अधिकारी आरोपित हैं। इनमें महाराष्ट्र में 3 मामलों में 41 अधिकारी, उत्तर प्रदेश में 10 मामलों में 31, प.बंगाल में 4 मामलों 25, केंद्रशासित जम्मू–कश्मीर में 4 में 19, पंजाब में 4 में 6, मध्यप्रदेश में 1 भ्रष्टाचार के प्रकरण में एक अधिकारी शामिल है। रिपोर्ट के मुताबिक नियमों के अनुसार सीबीआइ से प्रस्ताव भेजे जाने के बाद अधिकतम तीन माह में अभियोजन स्वीकृति देने का प्रयास किया जाना चाहिए लेकिन लंबित मामलों में 249 अधिकारियों के खिलाफ 81 मामले तीन माह की अवधि से अधिक पुराने हैं।

सीवीसी की रिपोर्ट में उन मामलो का भी जिक्र किया है जिनमें जांच में दोषी पाए गए अफसरों के खिलाफ आयोग की सिफारिशों को भी दरकिनार कर दिया गया। इनमें विभिन्न मंत्रालयों और केंद्र सरकार के अधीन संस्थाएं (पीएसयू–बैंक आदि) शामिल हैं। सीवीसी केंद्रीय मंत्रालयों और पीएसयू–बैंकों में मुख्य सतर्कता अधिकारियों (सीवीओ) के जरिये भ्रष्टाचार व अनियमितताओं पर नजर रखता है। सीवीसी ने कहा है कि कुछ संगठन आयोग की सलाह पर अमल करने और आरोपी अधिकारी को चार्जशीट जारी करने में देरी करते हैं। इससे कई मामलों में दोषी अधिकारी सेवानिवृत्त हो जाता है और समय सीमा चूकने के कारण कोई भ्रष्ट अधिकारी पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाती। गौरतलब है कि सरकारी विभागों में विषबेल की तरह बढ़ते भ्रष्टाचार पर भारत विश्व में कलंकित हो रहा है। ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2023 के लिए भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक में भारत 180 देशों में 93वें स्थान पर रहा। जबकि वर्ष 2022 में भारत की रैंक 85 वीं थी। अर्थात भारत में भ्रष्टाचार की रफ्तार थमी नहीं है। इसमें तेजी आई है। इस सूचकांक में भारत आठ पायदान आगे बढ़ गया। वर्ष २०२३ की रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एशिया में पाकिस्तान (133) और श्रीलंका (115) अपने अपने कर्ज के बोझ तले दबे हैं और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे हैं।

# गांधी व शास्त्री जयंती की जिले में रही धूम, लोगों ने किया नमन

**संवाददाता–बलरामपुर।** जिले भर में बुधवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांध व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। विभिन्न सरकारी कार्यालयों एवं शिक्षण संस्थानों के साथ–साथ राजनैतिक दलों के दफ्तरों में भी गांधी व शास्त्री जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। आजादी के नायक महात्मा गांधी व पूर्व पीएम को लोगों ने यादकर उन्हें नमन किया। स्कूलों में बच्चों की पेंटिंग प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। विभिन्न माध्यमों से लोगों ने दो अक्टूबर पर स्वच्छता का संदेश भी दिया। जिलाधिकारी पवन अग्रवाल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में गांधी व शास्त्री जयंती भव्य तरीके से मनाई गई। डीएम ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। यहां महात्मा गांधी के जीवन दर्शन पर आयोजित गोष्ठी ने सीएमएस की छात्राओं द्वारा भजन प्रस्तुत किया गया। छात्राओं को डीएम ने पुरस्कार देकर सम्मनित किया। लोगों ने गांधी जी के विचार एवं सिद्धांत को प्रासांगिक बताते हुए उनके विचारों को अपने जीवन में अंगीकार करने की बात कही। इस अवसर पर एडीएम प्रदीप कुमार, एडीएम न्यायिक प्रमोद कुमार, उप जिलाधिकारी संजीव कुमार यादव, संचित मोहन तिवारी व बाबूराम पाण्डेय सहित कई अन्य लोग मौजूद थे। इसी क्रम में जिला पंचायत कार्यालय में अध्यक्षा आरती तिवारी ने गांधी व शास्त्री जी के चित्र पर पुष्पार्चन कर नमन किया। अध्यक्षा के प्रतिनिधि श्याम मनोहर तिवारी ने दोनों महापुरुषों के जीवन पर प्रकाश डाला। सीएमओ कार्यालय में भी गांधी व शात्री जयंती कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

# ट्रेलर ड्राइवर की अचानक हुई मौत

**संवाददाता–गोण्डा।** रेलवे पुल निर्माण में क्रेन लोड करने आए एक ट्रेलर ड्राइवर की अचानक मौत हो गई। आनन फानन आसपास के लोगों ने उसे करनैलगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने सूचना के आधार पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। बताया जाता है कि सरयू नदी पर बन रहे रेलवे पुल के निर्माण में क्रेन से काम लिया जा रहा था। उस क्रेन को लोड करने के लिए राधेश्याम पुत्र ठाकुर दीन 60 वर्ष निवासी मूसेपुर ग्रांट करीमपुर अंबेडकर नगर एक ट्रेलर लेकर लोड करने आया था। ट्रेलर खड़ा करने के बाद जब वह नीचे उतरा उसके बाद जमीन पर गिर गया। बेहोशी की हालत में मौके पर काम कर रहे सुमित कुमार सहित अन्य लोग उसे सीएचसी लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सक डॉ.अनुज कुमार ने उसे मृत घोषित कर दिया और सूचना कोतवाली पुलिस को दे दी।

# गाँधी जयंती पर झंडा रोहण कर स्वच्छता के लिए किया गया सम्मानित



**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। आदर्श नगर पंचायत रूधौली बाजार में स्वच्छता ही सेवा महाअभियान में गांधी जयंती के अवसर पर आदर्श नगर पंचायत रूधौली बाजार कार्यालय में नगर पंचायत रूधौली अध्यक्ष धीरसेन निषाद द्वारा झण्डारोहण किया गया। अध्यक्ष एवम अधिशाषी अधिकारी कीर्ति सिंह, सभासद गण द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवम लालबहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। नगर पंचायत रूधौली कार्यालय परिसर में अध्यक्ष धीरसेन निषाद द्वारा श्रमदान देकर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया एवं नगर पंचायत रूधौली कार्यालय परिसर में सम्मान समारोह में स्वच्छ भारत मिशन ब्रान्ड एम्बेसडर सत्यदेव मिश्रा को स्वच्छता ही सेवा महाअभियान में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए सम्मानित किया गया। इसी कड़ी में अधिशाषी अधिकारी कीर्ति सिंह को नगर पंचायत में स्वच्छता कार्यक्रम को बेहतरीन संचालन के लिए अध्यक्ष द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। स्वच्छ सारथी क्लब दिलेश्वरी इन्टर कालेज पर आयोजित कला प्रतियोगिता में शामिल बच्चों में प्रथम गायत्री द्वितीय कोमल तृतीय आशिक एवं अध्यापक गण एवं नगर पंचायत रूधौली बाजार के सफाई कर्मियों को सफाई मित्र समारोह में प्रशस्ति पत्र वितरण कर सम्मानित किया गया। जिसमें सभासदगण प्रतीक सिंह,पंकज सिंह, विनोद कुमार, श्यामबली, कर्मचारी विवेक पांडेय, प्रेमप्रकाश पटेल, अमरजीत निषाद संजीव द्विवेदी प्रेमसागर उमा पाण्डेय सीएम फेलो अमित, मोहन,रवि, राजेश,हरेंद्र, संजय आदि मौजूद रहे।।

# अपनी मांगों को लेकर उपवास पर बैठी कार्यकत्रियां

**संवाददाता–गोण्डा।** गांधी पार्क में बुधवार को स्कीम वर्कर से जुड़े कर्मियों ने बापू की प्रतिमा के समक्ष दो घंटे का उपवास कर मांग पत्र प्रेषित किया। असंगठित क्षेत्र में काम कर रही आंगनबाड़ी, आशा, आशा संगिनी ,रसोइया ने न्यूनतम वेतन 26000 हजार रुपये देने के साथ सेवानिवृत्ति पर पेंशन देने की मांग उठाई। आंगनवाड़ी केंद्रों पर ही रही एजुकेटर भर्ती निरस्त करते हुए केंद्र पर 3से 6वर्ष के बच्चों को ड्रेस, स्कॉलरशिप, कॉपी किताब आदि की व्यवस्था कराने की मांग की। कहा कि आशा कर्मियों को कार्य करने के बाद सभी बिंदुओं पर प्रोत्साहन राशि मिले। रसोइया को कई माह से मानदेय नहीं मिला उसे तत्काल खाते मे भेजा जाए। प्रतिवर्ष नवीनीकरण पर रोक लगाई जाए, वर्दी का पैसा उनके खाते में भेजा जाए। हाटकुक्ड योजना का पैसा मातृ समिति के खाते में भेजा जाए। साथ ही 10 वर्ष से अधिक जो आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों अपनी सेवा दे चुकी हो उनकी मेरिट के आधार पर मुख्यसेविका के पद पर पदोन्नति की जाएगा। 10 वर्ष से अधिक एक ही परियोजना पर कार्य कर रही मुख्यसेविक, सीडीपीओ का स्थानांतरण किया जाय।

# गाँधी जयंती पर पोस्टर, निबंध प्रतियोगिता में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा



**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। दिल्ली पब्लिक सीनियर स्कूल पचपेडिया रोड बस्ती शाखा में गांधी जयंती एवं लाल बहादुर शास्त्री के जन्मदिवस के उपलक्ष पर पोस्टर और निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय के छात्र और छात्राओं ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री और माता कस्तूरबा का मनमोहक चित्र बनाया। उनके जीवन त्याग और उनके बलिदान का निबंध में सुंदर वर्णन किया। बच्चों द्वारा अपने आसपास के वातावरण और विद्यालय को स्वच्छ रखने का संकल्प लिया तथा विद्यालय परिसर की सफाई में सफाई कर्मचारियों की मदद की।

कार्यक्रम का आरंभ अमर मणि पांडे एवम अर्चना पांडे ने महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्या अर्पण और पुष्पांजलि देकर किया। विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्थापिका दिव्या पाठक ने बच्चो को महात्मा गांधी और लालबहादुर शास्त्री के जीवन से परिचय कराया और उनके योगदान को बताया।

कार्यक्रम में नीलम, के.बी . लाल, लक्ष्मी, रिचिका, अविनाश, पूजा शुक्ला, रामाशीष चौधरी,रिया सिंह, प्रिया श्रीवास्तव, अंकिता श्रीवास्तव, संस्कृति श्रीवास्तव, सिदरा फातिमा, अवनी गुप्ता,सुमन गुप्ता, दिव्या जायसवाल,संजू सिंह आराध्या सिंह आदि उपस्थित रहे।

# खाद गड्ढे की जमीन पर कर रहे थे मंदिर निर्माण, प्रशासन ने रोका तो हंगामा

**संवाददाता–महराजगंज।** श्यामदेउरवा क्षेत्र के ग्राम लखिमा टोला बगहिया में बुधवार को हंगामा हो गया। खाद–गड्ढे की जमीन पर कुछ लोग मंदिर का निर्माण करा रहे थे, जिसे पुलिस ने रोक दिया। पुलिस के रोकने पर नाराज लोगों से तीखी बहस शुरू हो गई और लोगों ने परतावल–पिपराइच सड़क जाम कर दिया। घंटे भर की मशक्कत के बबाद ग्रामीणों को शांत कराया जा सका। कुछ देर बाद राजस्व टीम के साथ नायब तहसीलदार आशीष गुप्ता पहुंचे। ग्रामीणों को कागजी प्रक्रिया पूर्ण होने के पहले खाद गड्ढे की जमीन पर किसी भी काम करने से रोक दिया। लखिमा के बगहिया टोले पर आराजी नंबर 403 रकवा 0.0490 हेक्टेयर राजस्व विभाग में खाद गड्ढे के नाम से दर्ज है। लोगों के अनुसार कुछ वर्ष पूर्व गांव में एक बंदर की मौत के बाद ग्रामीणों ने उसका अंतिम संस्कार इसी जमीन पर किया था। ग्रामीणों की मंशा थी कि उक्त जमीन पर मंदिर का निर्माण कराया जाए। बुधवार को सैकड़ों ग्रामीण इकट्ठे होकर मंदिर का निर्माण कराना शुरू कर दिया। किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने निर्माण कार्य को रोकने के लिए कहा। इस पर ग्रामीण आक्रोशित हो गए और हंगामा करते हुए परतावल–पिपराइच मार्ग को जाम कर दिया। थोड़ी ही देर में थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह दल–बल के साथ मौके पर पहुंचे और हंगामा शांत कराया। इस दौरान ग्रामीणों और पुलिस के बीच काफी नोंकझोंक भी हुई। पुलिस ने इसकी जानकारी राजस्व विभाग को दी। सूचना पाकर नायब तहसीलदार आशीष कुमार गुप्ता, कानूनगो विजय तिवारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों को समझा–बुझाकर मामला शांत कराया।

आशीष गुप्ता, नायब तहसीलदार सदर ने कहा कि बगहिया में खाद गड्ढे की जमीन पर ग्रामीण मंदिर निर्माण करा रहे थे। मौके पर पहुंचकर लोगों को समझाया गया। हल्का लेखपाल अलका सिंह ने थाने में तहरीर दी है।

अभिषेक सिंह, एसओ–श्यामदेउरवा ने कहा कि खाद गड्ढे की जमीन से अतिक्रमण हटवा दिया गया है। हल्का लेखपाल की तहरीर पर चार नामजद सहित 50 अज्ञात के खिलाफ सड़क जाम करने के प्रयास व राजस्व अधिनियम के तहत केस दर्ज किया गया है।

# ध्वजारोहण कर महापुरुषों को किया नमन



**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी जी व लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के अवसर पर 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान के अंतर्गत नगर पंचायत गायघाट बाजार कार्यालय पर स्वच्छता दिवस मनाया गया। कार्यक्रम के दौरान नगर पंचायत पंचायत गायघाट अध्यक्ष सुनील कुमार द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान पर प्रकाश डाला। अधिशाषी अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय एवं नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि बालकृष्ण त्रिपाठी पिन्टू ने महान विभूतियों को नमन करते हुए लोगों से नगर पंचायत को साफ सुथरा रखने की अपील किया। इस मौके पर अंशुमान शुक्ला, मनोज, पवन, राज के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

# गाजे बाजे के साथ निकली कलश यात्रा, 24 वर्षों से शक्ति वाहिनी के तत्वाधान में निकाली जा रही है यात्रा

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**



अयोध्या। शारदीय नवरात्र की पूर्व संध्या पर बुधवार को शक्तिवाहिनी के संयोजन में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सरयू तट से वरुण आह्वान के साथ भव्य कलश यात्रा गाजे बाजे के साथ निकाली गई। मां के जयकारों के साथ शक्ति वाहिनी की अगुवाई में निकली यात्रा सरयू तट से शुरू होकर नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई छोटी देवकाली मंदिर पहुंची। यात्रा का संयोजन केंद्रीय दुर्गापूजा व रामलीला समन्वय समिति तथा शक्ति वाहिनी के संयुक्त संयोजन से किया गया। यात्रा नयाघाट, बाबू बाजार, श्रृंगारहाट, हनुमानगगढ़ी, हरिद्वारी बाजार होती हुई छोटी देवकाली मंदिर पहुंची। यात्रा का आचार्य पीठ तिवारी मंदिर के सामने महापौर महंत गिरीशपति त्रिपाठी और उनकी धर्मपत्नी श्रीमती राजलक्ष्मी त्रिपाठी ने माता जी की आरती कि और बताया कि माता का अनुष्ठान प्रतिपदा को शुभ मुहूर्त में करना चाहिए और विसर्जन दशमी तिथि को ही करना चाहिए यही शास्त्रों का मत है। माता रानी के यात्रा का दर्जनों स्थानों पर स्वागत हुआ और लोगों ने पुष्प वर्षा की।

केंद्रीय समिति के संयोजक महंत धनुषधारी शुक्ला ने बताया कि पिछले 24 वर्षों से यह यात्रा अनवरत नवरात्रि के पूर्व संध्या पर निकाली जाती है। अध्यक्ष रमापति पांडे ने बताया कलश यात्रा सनातन परंपरा का एक अंग है जिसमें कोई अनुष्ठान प्रारंभ करने से पहले हम किसी पवित्र नदी से जल भरते है। नवरात्रि प्रारंभ के पूर्व मां सरयू के जल का पूजन करके कलश में भरकर अपने अपने घरों मे मां की स्थापना पूजन करेंगी। शक्ति वाहिनी प्रमुख बिंदु सिंह ने बताया कि बड़े ही उत्साह के साथ माताएं बहने माता की कलश यात्रा में शामिल होती हैं और यही कलश स्थापित करके 9 दिन तक पूजा करती है। उन्होंने सभी बहनों का आभार व्यक्त किया।

दुर्गापूजा समिति के प्रवक्ता भानुप्रताप सिंह ने बताया कि बुधवार से शारदीय नवरात्र प्रारंभ हो रहा है। अयोध्या धाम में 57 स्थान पर प्रतिमा बैठेगी 19 स्थान पर अस्थाई पूजा स्थल है कल 76 स्थान पर नवरात्रि की प्रतिपदा से पूजन प्रारंभ हो जाएगा। शास्त्री नगर में श्याम सुंदर कसेरा, श्रृंगार हाट में ज्योति गुप्ता, रंजीतगुप्ता, सुंदर जायसवाल, कपिलगंज में पूर्व पार्षद नंदलाल गुप्ता युवराज मोदनवाल, हनुमानगढ़ी पर सुरेश मोदनवाल जितेंद्र मोदनवाल बैजनाथ मोदनवाल ओमकार मोदनवाल के नेतृत्व में कुछ वर्ष हुई और प्रसाद वितरण किया गया । देवकली पर प्रसाद वितरण कर यात्रा का समापन हुआ।अशोक शास्त्री ने वरुण पूजन कराया। , वन्दना त्रिपाठी, पार्वती कौशल, दया मिश्रा, आंचल यादव, प्रभादेवी, अनीता सिंह, अंजू सिंह, गरिमा आचार्य, उर्मिला तिवारी,अनीता, इस्रावती, रंजनसागर, कलश यात्रा में प्रभारी दीपचंद्र राही, देवर्षिराम त्रिपाठी ,सुरक्षा प्रभारी पंकज गुप्ता, मंगल गुप्ता, अनिल सहित सैकड़ों भाई बहनों ने भाग लिया।

# सपाइयों ने गांधी व शास्त्री को पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

**संवाददाता–बलरामपुर।** जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई। लोहिया सभागार में आयोजित कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि देकर उनके जीवन पर चर्चा की। जिलाध्यक्ष डॉ मणिक लाल कश्यप ने कहा कि महात्मा गांधी सत्य एवं अहिंसा के सबसे बड़े उदाहरण थे। हमेंशा सत्य एवं अहिंसा की जीत होती है, इसलिए हमें सत्य एवं अहिंसा के पथ पर चलना चाहिए। पूर्व विधायक राम सागर अकेला ने कहा कि आज भारतीय जनता पार्टी केवल झूठ की राजनीति कर रही है।

यूपी पुलिस कानून, लोकतंत्र, संविधान को ताख पर रखकर बी गुनाहों को गोली मार रही है। सपा नेता ओंकारनाथ पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नीतियों को लोग समझ चुके हैं। किसान, बेरोजगार, नौजवान इस बार उन्हें सबक सिखाएंगे। इस अवसर पर विनय वर्मा, शाहबाज खान, अरविंद सिंह, अब्दुल अहद, मोइनुद्दीन सिद्दीकी, सैय्यद इंजीनियर, सुरेंद्र गौतम, रंगलाल यादव, इकबाल जावेद, सपा मीडिया प्रभारी विशाल श्रीवास्तव, संजय यादव, संजय तिवारी, शैलेंद्र यादव, मोहम्मद उमर खान, करीम खान, जुगल किशोर, आरके गुप्ता, मनीष सोनकर, आशीष पटेल, महादेव प्रसाद साहू सहित तमाम कार्यकर्ता मौजूद रहे।

# तालाब में उतराता मिला वृद्ध का शव

**संवाददाता–गोण्डा।** गांव हरखापुर के उमरा में मंगलवार रात एक वृद्ध की तालाब में डूबने से मौत हो गई। बुधवार सुबह परिजन उसे बिस्तर पर न पाकर खोजबीन करने लगे तो कुछ देर बाद उसका शव उतराता हुआ पाया गया। इसकी सूचना ग्राम प्रधान बच्चन मिश्रा व परिजनों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस व फॉरेंसिक टीम ने जांच व पड़ताल कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि कौड़िया थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत हरखापुर के मजरा उमरा के निवासी श्याम नाथ मिश्रा उर्फ ननकुन्ने मिश्रा पुत्र बच्चू लाल मिश्रा उम्र करीब 70 वर्ष रोज की तरह मंगलवार शाम को खा पीकर अपने बरामदे में सो गए। बुधवार सुबह परिजन उन्हें बिस्तर पर न पाकर खोजबीन करने लगे, जिसके बाद उनका शव घर के सामने तालाब में उतराता हुआ दिखा।

# गाँधी जयंती पर पौधरोपण कर स्वच्छता के लिए किया गया सम्मानित



**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। नगर पंचायत मुंडेरवा बाजार में स्वच्छता ही सेवा महाअभियान में गांधी जयंती के अवसर पर कार्यालय परिसर में नगर पंचायत मुंडेरवा अध्यक्ष सुनील सिंह द्वारा झण्डारोहण किया गया। अध्यक्ष एवम अध्यक्ष प्रतिनिधि अजय सिंह , सभासद गण द्वारा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवम लालबहादुर शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। नगर पंचायत मुंडेरवा कार्यालय परिसर में अध्यक्ष द्वारा पौध रोपण कर स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। नगर पंचायत मुंडेरवा कार्यालय परिसर मे सफाई कर्मियों को सफाई मित्र समारोह में सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में शिवम भट्ट, सुनील चौधरी, अभिषेक शुक्ला, बजरंगी चौधरी, जसवंत, राकेश कुमार रावत, कुलदीप कुमार सिंह, विज्ञान सिंह, अनु मिश्रा, गुलाब चंद, हरीशचंद भारती, किस्मत अली के साथ अन्य लोग मौजूद रहे।

# आज से देवी मंदिरों व दुर्गा पंडालों में गूंजेंगे माता के जयकारे

**संवाददाता–बलरामपुर।** शारदीय नवरात्र पर आज से मंदिरों व दुर्गा पण्डालों में भक्ति का सैलाब उमड़ेगा। जिले भर में 1300 से अधिक दुर्गा पण्डाल सजाए गए हैं। बुधवार को इन पण्डालों को अंतिम रूप दिया गया साथ ही मां दुर्गा की प्रतिमा पण्डाल तक पहुंचाने का सिलसिला देर शाम तक चलता रहा। 51 शक्तिपीठों में से एक आस्था व शक्ति का प्रतीक तुलसीपुर स्थित देवी पाटन मंदिर में भी गुरुवार से भक्तों की भीड़ जुटेगी। मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद रहेगी। सीसीटीवी कैमरों से देवीपाटन मंदिर व मेला परिसर की निगरानी की जाएगी।

बलरामपुर जिले की दुर्गा पूजा बहुत प्रसिद्ध है। यहां शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में करीब 1322 पण्डालों में दुर्गा पूजा का आयोजन किया जाएगा। बुधवार को मूर्तिकार के ठिकाने से पण्डालों तक मूर्तियों को पहुंचाने का सिलसिला चलता रहा। टैक्टर ट्रालियों पर ले जायी जा रही प्रतिमाओं के साथ चल रहे श्रद्धालु मां के जयकारे लगा रहे थे। देवीपाटन मंदिर में विभिन्न शहरों व नेपाल से भी श्रद्धालु प्रतिवर्ष शारदीय नवरात्र के अवसर पर पहुंचते हैं। मंदिर परिसर में राजकीय मेले का आयोजन भी किया जा रहा है। जिसको लेकर व्यवस्थाओं को चाक चौबंद किया गया है। महंत मिथलेश नाथ योगी ने बताया कि पूर्व की भांति मंदिर में बिजली पानी की व्यवस्था किए गए हैं। खोया पाया विभाग का स्टाल लगाया गया है। जो मंदिर से जुड़ी जानकारी की घोषणा करता रहेगा। इस बार श्रद्धालुओं की काफी भीड़ आने की उम्मीद है। नेपाल से भी भारी संख्या में श्रद्धालुओं का जत्था यहां पहुंचने का अनुमान है। जो श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की अव्यवस्था का सामना न करना पड़े इसका पूरा ख्याल रखा जाएगा।

# संतों महंतों ने केशव मौनी बाबा को अर्पित की शद्धांजलि



**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

अयोध्या। पूर्वाचार्य महंत केशव दास महाराज अप्रतिम प्रतिभा के धनी संत थे। वह भजनानंदी संत होने के साथ–साथ गौ एवं संत सेवी रहे। जिनकी ख्याति काफी दूर–दूर तक फैली हुई थी। उन्होंने मठ का सर्वांगीण विकास किया। आजीवन आश्रम की उत्तरोत्तर समृद्धि में लगे रहे। उक्त बातें रामघाट स्थित प्रसिद्ध पीठ श्रीकेशव बिहार सदन के पीठाधिपति महंत सच्चिदानंद दास महाराज ने कही। अवसर था मंदिर के साकेतवासी महंत केशव दास उर्फ मौनी बाबा की 33वीं पुण्यतिथि महोत्सव का। जो आश्रम प्रांगण में निष्ठापूर्वक मनाई गई। बुधवार को रामनगरी के विशिष्ट संत–महंतों ने पूर्वाचार्य महंत के चित्रपट पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। साथ ही साथ उनके कृतित्व–व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर केशव बिहार सदन के महंत सच्चिदानंद दास महाराज के कृपापात्र उत्तराधिकारी युवा महंत शिवराम दास ने कहा कि महाराज श्री ने सेवा को ही अपना धर्म माना। अपने शिष्य–अनुयायियों को भी सेवा पाठ पढ़ाया। उन्हें सेवा कार्य करने हेतु प्रेरित किया। आजीवन सेवा ही परमोधर्मा के मार्ग चलते रहे। उनके दिशा–निर्देशन में कई सेवा के प्रकल्प संचालित हुए, जिनमें बहुत से सेवा प्रकल्प के कार्य आज भी चल रहे हैं। उनके बारे में जितना भी कहा जाए वह कम ही होगा। इससे पहले मंदिर में विराजमान भगवान श्रीराम जानकी का सुबह पूजन–अर्चन किया गया। उसके बाद भोग लगाकर भव्य आरती उतारी। तदुपरांत पूर्वाचार्य महंत के चित्रपट पर पूजन–अर्चन हुआ। तत्पश्चात आरती उतारी गई। इस दौरान अन्य धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हुए। युवा महंत शिवराम दास महाराज ने आए हुए संत–महंतों का स्वागत–सत्कार कर उन्हें भेंट, विदाई दी। पुण्यतिथि पर काफी संत–महंत और भक्तजनों ने प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर धर्मसम्राट श्रीमहंत ज्ञानदास महाराज के कृपापात्र शिष्य व संकटमोचन सेना राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय दास, जगतगुरू स्वामी परमहंसाचार्य, नागा नंदराम दास, नागा कृष्णकुमार दास, हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास, अशोक सिंहल वार्ड के पार्षद अंकित त्रिपाठी आदि उपस्थित रहे।

# भगवताचार्य स्मारक सदन में रामलीला देख मंत्रमुग्ध लोग

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

अयोध्या। श्री भगवताचार्य स्मारक सदन में अवध आदर्श रामलीला मंडल पत्थर मंदिर द्वारा आयोजित संत श्री तुलसीदास रामलीला न्यास के तत्वावधान में श्री रामलीला के तीसरे दिन रामलीला मंचन में अहिल्या उद्धार व जनकपुर में पुष्प फुलवारी लीला का कलाकारों की ओर से बेहतरीन मंचन किया गया। जिसे देख दर्शक भावविभोर हो गए। समिति के महामंत्री संकट मोचन सेना अध्यक्ष महंत संजय दास जी महाराज ने बताया कि बुधवार की रात श्री भगवताचार्य स्मारक सदन की रामलीला में जब प्रभु श्रीराम छोटे भाई लक्ष्मण के साथ जंगल से गुजर रहे थे, तभी उन्हें मार्ग में बड़ी शिला दिखाई दी।

प्रभु के पूछने पर गुरु विश्वामित्र ने बताया कि भगवन इस शिला को आपकी कृपा का इंतजार है। कृपादृष्टि होने पर श्राप से शिला बनकर खड़ी अहिल्या का उद्धार हो जाएगा। तभी श्रीराम के पैर से स्पर्श होते ही शिला अहिल्या के रूप में बदल जाती है। जनकपुरी के लोग श्रीराम और लक्ष्मण की छवि देखकर मोहित हो जाते हैं और आपस में कहते हैं की यह किस देश के सुंदर राजकुमार हैं। श्रीराम ने जनकपुर की फुलवारी का भ्रमण किया। मंच सहित पूरे लीला परिसर की भव्य सजावट की गई थी।

गुरु विश्वामित्र श्रीराम को आज्ञा देते हैं कि जाओ राम और पूजा के लिए वाटिका से फूल तोड़ लाओ। फूल लेने जाते समय प्रभु श्रीराम की भेंट माता सीता से होती है। उन्होंने पति के रूप में पाने के लिए मां गौरी का पूजन किया। श्री तुलसीदास रामलीला न्यास के व्यवस्थापक श्री हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास महाराज ने कहा कि भगवान श्री राम ने हमेशा मर्यादा का पालन किया। इसलिए उन्हें मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम कहते हैं। एक आदर्श जीवन जीने के लिए भगवान श्री राम के रास्ते पर चलना होगा।

समिति के कोषाध्यक्ष बड़ा भक्त माल मंदिर के पीठाधीश्वर महंत अववेश दास महाराज ने आयें हुए अतिथियों का स्वागत किया।अवध आदर्श रामलीला मंडल पत्थर मंदिर के अध्यक्ष महंत दास ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।लीला में प्रमुख रूप से जगद्गुरु रामानुजाचार्य डॉ राघवाचार्य जी महराज, लीला कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष रसिक पीठाधीश्वर श्रीमहंत जन्मेजय शरण जी महाराज,कोषाध्यक्ष भक्तमाल पीठाधीश्वर श्रीमहंत अवधेश कुमार दास महाराज, महामंत्री महंत संजय दास महाराज, उपाध्यक्ष नागा राम लखन दास महाराज, महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी, वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास महाराज,शिवम श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में साधु संत आमजन मौजूद रहे।

# उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी में याद किये गये महापुरुष

**–भारतीय बस्ती संवाददाता–**

बस्ती। महात्मा गॉधी तथा लाल बहादुर शास्त्री का जन्म दिवस विद्यालय परिसर में स्वच्छता दिवस के रूप में हर्ष एव उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ प्रबन्धक धीरेन्द्र शुक्ला, डा0 राजन शुक्ल एवं प्रबन्ध निदेशक विनय शुक्ल ने महात्मा गांधी जी तथा श्री लाल बहादुर शास्त्री जी के चित्र पर मल्यार्पण एव दीप प्रज्लवलन के साथ किया।

विद्यालय के प्रधानाचार्य नरेन्द्र सिंह एवम् प्रधानाचार्या शशिप्रभा त्रिपाठी ने महात्मा गांधी एवम् लाल बहादुर शास्त्री के जीवन, कृतित्व एव व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला तथा स्वच्छता दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय की छात्रध छात्राओं तथा शिक्षकधशिक्षकाओं ने विद्यालय से लेकर भगत सिंह, नेहरू तिराहा, रोडवेज परिसर तक स्वच्छता अभियान चलाकर लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया कि यदि हमारा पर्यावरण स्वच्छ रहेगा तो हम भी स्वस्थ रहेगें।

प्रबन्धनिदेशक विनय शुक्ल ने कहा कि पर्यावरण की स्वच्छता ही हमारे जीवन का मूल्य लक्ष्य होना चाहिए। इसी से देश प्रगति की ओर अग्रसर होगा।

इस अवसर पर आचार्य बसन्त गुप्ता, अभिनय प्रकाश पाण्डेय, श्रवण कुमार चौधरी, संतोष सिंह, राकेश पाण्डेय, सजंय प्रजापति, गंगेश सिंह, गंगेश शुक्ल, वकील चौधरी, राजेश पाण्डेय, संजय प्रजापति, शैल जी, अपूर्वा त्रिपाठी, मधु कन्नौजिया, स्तुति मिश्रा, अपराजिता मिश्रा, कमलोजन मिश्रा, नम्रता पाण्डेय, प्रेरण, शालिनी यादव आदि सहित अध्यापक, अध्यापिकांए उपस्थित रहे।

## महिला ने दो मासूम बच्चों की गला दबाकर हत्या की, खुद किया खुदकुशी का प्रयास

**संवाददाता–गोरखपुर।** गोरनाखनाथ थानाक्षेत्र में एक ने महिला ने अपने बेटे और देवर के बेटे की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या करने के महिला घर के थोड़ी दूर जाकर रेलवे लाइन पर खुदखुशी का प्रयास किया। ट्रेन की टक्कर से महिला घायल हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जबकि, घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। वहीं, परिवार और पड़ोस की महिलाएं घटनास्थल पर एकत्र हो गई। घटना से सभी हैरत में हैं।

## प्रिंस कुमार और खुशबू निषाद बने विजेता

**संवाददाता–गोरखपुर।** गांधी जयंती पर क्षेत्रीय खेल कार्यालय द्वारा बालक और बालिका वर्ग में 5 किलोमीटर क्रॉस कंट्री रेस का आयोजन किया गया। बालक वर्ग में प्रिंस कुमार और बालिका वर्ग में खुशबू निषाद विजेता बने। क्षेत्रीय क्रीड़ाधिकारी आले हैदर व जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष मनीष सिंह ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। रीजनल स्पोर्ट्स स्टेडियम से सुबह 6रू30 बजे क्रॉस कंट्री रेस शुरू हुई। उप क्रीड़ाधिकारी धर्मवीर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रेस का शुभारंभ किया। इसमें 79 पुरुष और 16 महिलाओं ने प्रतिभाग किया। रेस स्टेडियम के मेन गेट से शुरू होकर होकर रेलवे बस स्टेशन चौराहा, विश्वविद्यालय चौराहा, छात्र संघ चौराहा, पैडलेगंज चौराहा, मोहद्दीपुर चौराहा से बाएं मुड़कर विश्वविद्यालय चौराहा एवं रेलवे बस स्टेशन चौराहा होते हुए वापस स्टेडियम के गेट पर आकर समाप्त हुई।

इसमें बालक वर्ग में प्रिन्स कुमार प्रथम, सुग्रीव निषाद द्वितीय, विपिन निषाद तृतीय रहे। राजवीर कन्नौजिया चौथे, मनमोहन यादव पांचवें व रंजीत चौहान छठवें स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में खुशबू निषाद प्रथम, रिया सांगवान द्वितीय व दिव्या कुमारी तृतीय रहीं। तान्या कुमारी चौथे, कुमकुम पांचवें और आरती मौर्या छठवें स्थान पर रहीं। इससे पूर्व मुख्य अतिथि जिला हॉकी संघ के अध्यक्ष मनीष सिंह, आरएसओ आले हैदर व अन्य ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यापर्ण कर श्रद्धा–सुमन अर्पित किया।

## राप्ती ने भी पार किया लाल निशान

**संवाददाता–सिद्धार्थनगर।** जिले में बाढ़ का कहर बढ़ता ही जा रहा है। राप्ती नदी ने भी लाल निशान को पार कर कहर बरपा करना शुरू कर दिया है। शहर के मोहल्ले में जमुआर का पानी प्रवेश कर गया है। बूढ़ी राप्ती, कूड़ा, घोंघी पहले से ही लाल निशान पार कर कहर बरपा किए हुए है। राप्ती के लाल निशान पार करने से डुमरियागंज क्षेत्र के भनवापुर इलाके की कई सड़कों पर पानी चढ़ गया है। बाढ़ के पानी में कई सड़कें व गांव डूबे हुए हैं। बाढ़ प्रभावित गांवों में दहशत है। जिला भीषण बाढ़ की चपेट में है। शहर के कृष्णानगर मोहल्ले में जमुआर में आई बाढ़ का पानी आ गया है। बुद्ध नगर के बाहरी हिस्से में भी बाढ़ का पानी है। जमुआर का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है इससे खतरा बढ़ता जा रहा है। शहर के पुराना नौगढ़ पुल के पास बना श्मशान घाट और पार्क बाढ़ की पानी में पूरी तरह से डूब चुका है। उधर उस्का बाजार कस्बा के कृष्णानगर, रेहरवा, चौबाहे में भी कूड़ा नदी में आई बाढ़ का पानी भरा है। यहां पर ढाई फीट से अधिक पानी होने से मोहल्ला वासियों को दिक्कत हो रही है। शोहरतगढ़ क्षेत्र में बूढ़ी राप्ती व सोतवा कहर बरपा किए हुए है। कठेला–तुलसियापुर मार्ग के पास सड़क पर पानी बह रहा है। इसमें से होकर लोग गुजर रहे हैं। सोतवा का पानी से नेशनल हाईवे के किनारे बना हाट मिक्स प्लांट डूब गया है। जोगिया क्षेत्र में बूढ़ी राप्ती में आई बाढ़ का पानी कई मार्गों पर चढ़ा हुआ है। जोगिया–पकड़ी मार्ग पर स्थित पेट्रोलपंप डूबा हुआ है। जोगिया–गायघाट आदि मार्गों पर भी बाढ़ का पानी चल रहा है। ककरहवा क्षेत्र में बाढ़ की स्थिति खराब बनी हुई है।


# कार्यालय जिला पंचायत-वस्ती।

पत्रांक:–569(5) / डि0 / जि0पं0ब0 / 2024–25 दिनांक:– 01–10–2024

## आवश्यक सूचना

जिला पंचायत बस्ती द्वारा न्याय मार्ग स्थित प्रथम तल की 13 अदद दुकानों को किराये पर आवंटित करने हेतु निर्धारित प्रीमियम व किराये की धनराशि पर मा० अध्यक्ष महोदय, जिला पंचायत बस्ती की स्वाकृति दिनाथ 01.10.2024 के अनुपालन में खुली बोली दिनांक 17.10.2024 को दिन में 1 बजे कार्यालय जिला पंचायत बस्ती में की जानी है। पजीकृत बोलीदाता निर्धारित तिथि को अपने द्वारा जमा की गयी पंजीयन शुल्क की रसीद आधार कार्ड बोली के 15 मिनट पूर्व निर्धारित स्थान पर जमा कर बोली में प्रतिभाग कर सकते है। निर्धारित प्रीमियम व किराया निम्नवत है।

| क्र0सं0 | दुकान सं0 | कारपेट एरिया | निर्माण की लागत | प्रीमियम की धनराशि | निर्धारित किराया प्रति माह |
|---|---|---|---|---|---|
| 01 | 3 से 8 तक | 6.70X3.00 | 219500.00 | 531050.00 | 5025.00 |
| 02 | 9 से 15 तक | 4.20X2.45 | 116500.00 | 275995.00 | 2575.00 |

## नियम एवं शर्तें

1– बोली में वही व्यक्ति प्रतिभाग कर सकता है जिनके द्वारा निर्धारित पंजीयन शुल्क जमा कर पंजीयन कराया गया है।
2– बोलीदाता को अपने द्वारा बोली गयी धनराशि में से जमा पंजीयन शुल्क की धनराशि को घटाने के उपरान्त अवशेष धनराशि बोली समाप्त होने के एक सप्ताह के अन्दर जमा करना अनिवार्य होगा।
3– उच्चतम बोलीदाता की बोली स्वीकृत अस्वीकृत करने का अधिकार मा० अध्यक्ष महोदय जिला पंचायत बस्ती में निहित होगा।
4– यदि जिला पंचायत को आवंटित दुकान की आवश्यकता पड़ती है, तो किराया नियमावली के प्रस्तर–12 में दी गयी व्यवस्थानुसार 30 दिन की नोटिस देकर दुकान खाली कराया जा सकता है।
5– उच्चतम बोलीदाता को आवंटन के पश्चात नियमावली में दी गयी व्यवस्थानुसार प्रत्येक माह के 01 से 07 तारीख तक गत माह का किराया जमा करना अनिवार्य होगा, अन्यथा नियमावली में दी गयी व्यवस्थानुसार 10 प्रतिशत बिलम्ब शुल्क के रूप में सरचार्ज के साथ जमा करना अनिवार्य होगा।
6– प्रस्तर 21 में दी गयी व्यवस्थानुसार हर तीसरे वर्ष मुख्य अधिकारी शुल्क का पुनरीक्षण कर सकता है जो उस तिथि को लागू शुल्क का 50 प्रतिशत तक हो सकता है।
7– आवंटी को आवंटित दुकान किसी को सबलेट नहीं की जायेगी और न ही किराये पर दिया जायेगा तथा दुकान में बिना जिला पंचायत की अनुमति के कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा।
8– 03 माह का किराया अवशेष होने पर दुकान का आवंटन निरस्त कर दिया जायगा।
9– बकायादार बिना बकाया किराया जमा किय न्यायालय में नहीं जा सकता है।
10– आवंटी द्वारा दुकान में किसी भी प्रकार का क्षोभकारी / नशा / ज्वलनशील पदार्थ न दुकान में रखेगा और न ही निजी विक्री करेगा।

| अभियन्ता | वित्तीय परामर्शदाता | अपर मुख्य अधिकरी | अध्यक्ष |
|---|---|---|---|
| जिला-पंचायत बरती। | जिला-पंचायत बरती। | जिला-पंचायत बरती। | जिला-पंचायत बरती। |

पृ0सं0:–569(5) / डि0 / जि0पं0ब0 / 2024–25 दिनांक:– 01–10–2024

# कार्यालय ग्राम पंचायत पिकौरा शुक्ल विकास खण्ड बनकटी-बस्ती।

## अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त / राज्य वित्त / मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 04.10.2024 से 07.10.2024 दिन में 12:00 बजे तक संबंधित कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 09.10.2024 दिन मे 02:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

**नोटः**– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

| ग्राम प्रधान-सुरेश | सचिव/ग्रां.प्र.अ.-प्रमोद मिश्रा |
|---|---|
| ग्राम पंचायत-पिकौरा शुक्ल | ग्राम पंचायत-पिकौरा शुक्ल |
| विकास खण्ड-बनकटी, बस्ती | विकास खण्ड-बनकटी, बस्ती |

पत्रांक मेमो /01.10.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

# कार्यालय ग्राम पंचायत पिपरा सुकाली विकास खण्ड बनकटी-बस्ती।

## अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त / राज्य वित्त / मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 04.10.2024 से 07.10.2024 दिन में 12:00 बजे तक संबंधित कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 09.10.2024 दिन मे 02:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

**नोटः**– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

| ग्राम प्रधान-अनुपम | सचिव/ग्रां.प्र.अ.-प्रमोद मिश्रा |
|---|---|
| ग्राम पंचायत-पिपरा सुकाली | ग्राम पंचायत-पिपरा सुकाली |
| विकास खण्ड-बनकटी, बस्ती | विकास खण्ड-बनकटी, बस्ती |

पत्रांक मेमो /01.10.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

# कार्यालय ग्राम पंचायत भैंसा पाण्डेय विकास खण्ड बनकटी-बस्ती।

## अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त / राज्य वित्त / मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 04.10.2024 से 07.10.2024 दिन में 12:00 बजे तक संबंधित कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 09.10.2024 दिन मे 02:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

**नोटः**– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

| ग्राम प्रधान-प्रभावती | सचिव/ग्रां.प्र.अ.वालमीकी |
|---|---|
| ग्राम पंचायत-भैंसा पाण्डेय | ग्राम पंचायत-भैंसा पाण्डेय |
| विकास खण्ड-बनकटी, बस्ती | विकास खण्ड-बनकटी, बस्ती |

पत्रांक मेमो /01.10.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25

# कार्यालय ग्राम पंचायत परासी विकास खण्ड बनकटी-बस्ती।

## अल्पकालिक निविदा सूचना

वित्तीय वर्ष 2024–25 में ठोस तरल अपशिष्ट प्रबन्धन (S.L.W.M.) केन्द्रीय वित्त / राज्य वित्त / मनरेगा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज–2 के अन्तर्गत स्वीकृत कार्य हेतु ई–रिक्शा, साइकिल रिक्शा, कूड़ेदान, प्लास्टिक बैंक, सफेद सीमेन्ट, गिट्टी, प्रथम श्रेणी ईंट, रोडा, सीमेन्ट, रेट्रोफिटिंग मोरंग, बालू, इण्टरलाकिंग ईट सरिया, लोहे का जाल हयूम पाइप वाल पुट्टी टीन चादर बजरफुट बजरी वाल पेटिंग प्लास्टिक पाईप कलेक्शन सेंटर हैण्डपम्प मरम्मत, रिबोर इलेक्ट्रानिक मेटेरियल आदि सामानों की आपूर्ति हेतु इच्छुक व मान्य आपूर्तिकर्ता निविदा दिनाकः 04.10.2024 से 07.10.2024 दिन में 12:00 बजे तक संबंधित कार्यालय में जमा कर सकते हैं। जो दिनांक 09.10.2024 दिन मे 02:00 बजे कार्यालय में खोली जायेगी। प्रतिबन्ध जो दिनांक नियम व शर्तें एवं अन्य विवरण कार्य दिवस में ग्राम पंचायत कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं।

**नोटः**– निविदा को बिना कारण बताये स्वीकार / अस्वीकार करने का अधिकार ग्राम प्रधान व सचिव में निहित होगा।

| ग्राम प्रधान-धर्मिला चौधरी | सचिव/ग्रां.प्र.अ.-अर्चिता द्विवेदी |
|---|---|
| ग्राम पंचायत-परासी | ग्राम पंचायत-परासी |
| विकास खण्ड-बनकटी, बस्ती | विकास खण्ड-बनकटी, बस्ती |

पत्रांक मेमो /01.10.2024 वित्तीय वर्ष 2024–25


## मां सीता का किरदार निभाएंगी मिस यूनीवर्स इंडिया 2024 रिया सिंघा

**संवाददाता–अयोध्या।** फिल्मी रामलीला तीन अक्तूबर से 12 अक्तूबर तक होगी। फिल्मी रामलीला में इस बार माता सीता का किरदार मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 रिया सिंघा निभाएंगी। जबकि सांसद मनोज तिवारी बालि व सांसद रवि किशन सुग्रीव के किरदार में नजर आएंगे। पिछले साल फिल्मी रामलीला को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर 36 करोड़ लोगों ने देखा था। इस बार यह संख्या 50 करोड़ पहुंचने की संभावना है। फिल्मी रामलीला के अध्यक्ष सुभाष मलिक (बॉबी) और निदेशक शुभम मलिक ने संयुक्त रूप से कहा इस बार हम कुछ बदलाव कर रहे हैं। विश्व की सबसे बड़ी रामलीला अयोध्या की रामलीला में मां सीता के किरदार में मिस यूनिवर्स इंडिया 2024 रिया सिंघा दिखेंगी। ये पहली बार होगा जब कोई मिस यूनिवर्स इंडिया सीता का किरदार निभाने वाली है। रिया कहती हैं कि ये वर्ष मेरे लिए कई मायनों में खास है। प्रभु श्री राम के आशीर्वाद से मुझे विश्व की सबसे बड़ी रामलीला अयोध्या की रामलीला में सीता का किरदार निभाने का अवसर मिला। ये अनुभव काफी रोमांचित करने वाला है। सुभाष मलिक के अनुसार इस बार रामलीला में कुल 42 फिल्मी कलाकार विभिन्न भूमिकाओं में नजर आएंगे। इसके अलावा 20 कलाकार अयोध्या से भी विभिन्न भूमिकाओं में रामकथा को जीवंत करते दिखेंगे।

## डीएम ने दिलाई, देश की एकता, अखंडता और अहिंसा की शपथ

**संवाददाता–संतकबीरनगर।** राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर उन्हे श्रद्धासुमन अर्पित किया गया। साथ ही स्वच्छता का संकल्प लिया गया। कलक्ट्रेट में डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने झंडारोहण किया। अधिकारियों और कर्मचारियों, पुलिस कर्मियों एवं छात्र छात्राओं को देश की एकता, अखंडता एवं अहिंसा की शपथ दिलाई। डीएम महेंद्र सिंह तंवर ने कहा कि इन महापुरूषों के सिद्धांतों एवं आदर्शो के व्यावहारिक पक्ष को आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धाजंलि होगी। उन्होंने गांधी जी के अहिंसात्मक नेतृत्व शैली, विचारधारा, सत्यनिष्ठा, देश भक्ति एवं शास्त्री जी के आत्मबल तथा साहस पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गांधी जी और शास्त्री जी इच्छाशक्ति के धनी थे। विपरीत परिस्थितियों में भी इन महापुरूषों ने अपने धैर्य, साहस एवं आत्मबल से देश और समाज को नई दिशा देने, देश के नागरिकों में आत्मनिर्भरता का जज्बा भरने का अनुकरणीय कार्य किया है। इस दौरान एडीएम जय प्रकाश, अपर एसडीएम अरुण वर्मा, एसडीएम संजीव राय, डिप्टी कलेक्टर कलेक्ट्रेट डॉ सुनील कुमार, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी चन्द्रशेखर यादव, जिला होमगार्ड कमांडेंट शैलेंद्र मिश्र, सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा सतीश कुमार, जिला प्रोबेशन अधिकारी सतीश कुमार आदि मौजूद रहे।


**दैनिक भारतीय बस्ती**

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
**अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–**
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
**लखनऊ कार्यालय–**
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
**गोरखपुर कार्यालय–**
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com